संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688

जिलों से संभाग तक का सच

email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-9 । अंक-50 । प्रति मंगलवार, इंदौर, 12 मई 2026 से 18 मई 2026 । । मूल्य- 2 रु. । पृष्ठ- 8

खरगोन कलेक्टर की 'दबंगई' या आयुक्त कार्यालय की 'लाचारी'?

फाइलों में दफन हुआ 'अविलंब' शब्द!

कड़क तेवर से 'जी-हुजूरी' तक का सफर...क्या खरगोन कलेक्टर के सामने संभाग आयुक्त कार्यालय ने घुटने टेक दिए हैं..?

SPECIAL REPORT

नवीन गलकर

इंदौर/खरगोन। जब 'आदेश' देने वाला ही 'अनुनय-विनय' पर उतर आए, तो समझ लीजिए कि सिस्टम को लकवा मार गया है। इंदौर संभाग आयुक्त कार्यालय और खरगोन कलेक्टर कार्यालय के बीच चल रहा ताजा पत्राचार कुछ ऐसा ही नजारा पेश कर रहा है, जहाँ वरिष्ठ कार्यालय की साख अब सवालों के घेरे में है।

कहानी शुरू होती है 24 दिसंबर 2025 को, जब आयुक्त कार्यालय ने पत्र जारी कर खरगोन कलेक्टर को आदेश दिया था कि शिकायत पर 'अविलंब' जांच प्रतिवेदन भेजा जाए। उस वक्त पत्र की भाषा में एक कड़वाहट थी, एक आदेश था। लेकिन खरगोन कलेक्टर कार्यालय ने इस 'अविलंब' शब्द को शायद डस्टबिन में डाल दिया। दो महीने बीत गए, पर कोई जवाब नहीं आया।

इसके बाद 17 फरवरी 2026 को फिर एक पत्र भेजा गया, नाराजगी जताई कि 'दो माह बीत चुके हैं, रिपोर्ट भेजिए'। लेकिन मजाल है कि खरगोन से एक पत्ता भी हिला हो! तीसरे पत्र तक आते-आते वरिष्ठ कार्यालय के तेवर पूरी तरह ढीले पड़ गए। अब 'आदेश' के बजाय 'स्मरण पत्र' भेजकर ऐसी विनती की जा रही है मानो कोई जूनियर अपने सीनियर से समय मांग रहा हो। अक्सर देखा जाता है कि आम जनता आवेदन लेकर दफ्तरों की धूल फांकती रहती है और अधिकारी उनकी तरफ देखते तक नहीं। लेकिन यहाँ तो हद ही हो गई। संभाग आयुक्त कार्यालय, जो पूरे संभाग का मुखिया है, वह खुद खरगोन कलेक्टर कार्यालय के सामने एक 'लाचार फरियादी' की तरह खड़ा नजर आ रहा है। जिस तरह एक सामान्य व्यक्ति की गुहार फाइलों के नीचे दबा दी जाती है, ठीक वैसा ही व्यवहार अब खरगोन कार्यालय अपने ही वरिष्ठ के साथ कर रहा है । जो नजारा देखने को मिल रहा है, वह प्रशासन के 'सिस्टम' पर सबसे बड़ा तमाचा है। इंदौर संभाग आयुक्त कार्यालय और खरगोन कलेक्टर कार्यालय के बीच चल रहा पत्राचार यह साबित कर रहा है कि अब 'छोटे साहब' ने 'बड़े साहब' के आदेशों को रद्दी समझना शुरू कर दिया है। यह स्थिति बेहद शर्मनाक है कि जिस सिस्टम में अनुशासन की दुहाई दी जाती है, वहां 'अवहेलना' का दौर चल रहा है। अगर खरगोन कार्यालय जवाब नहीं दे रहा, तो उन पर कार्यवाही क्यों नहीं हो रही? क्या इंदौर आयुक्त कार्यालय इतना कमजोर पड़ गया है कि वह सिर्फ पत्र लिखने तक सीमित है? या फिर इस 'खामोशी' के पीछे कोई बड़ा प्रशासनिक खेल चल रहा है?

सुविचार

सिर्फ उतना ही विनम्र बनो जितना जरूरी हो, बेवजह की विनम्रता दूसरो के अहम को बढ़ावा देती है।

संपादकीय

पूरब की चुनौतीः पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की जीत लंबे समय से आकार ले रही थी। पांच-पांच साल के लगातार तीन कार्यकालों तक सत्ता में रहने के दौरान, तृणमूल कांग्रेस दिन-ब-दिन कमजोर होती गयी, जबकि भाजपा ने केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी के बतौर सत्ता के हर संभव साधन की मदद से मत-दर-मत खुद को मजबूत बनाया। पार्टी ने 294 विधानसभा सीटों में से 207 पर जीत हासिल की; साल 2021 में उसके पास 77 सीटें थीं। निवर्तमान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी नये मुख्यमंत्री होंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनके ही निर्वाचन क्षेत्र भबानीपुर में परास्त किया। साल 2021 में नंदीग्राम के बाद, यह दूसरा मौका है जब वह ममता पर विजयी हुए हैं। रोजगार, भ्रष्टाचार, शासन और कानून-व्यवस्था को लेकर जनता के असंतोष ने तृणमूल को कमजोर किया, जो राज्य को अपने अंगूठे के तले रखने के लिए उत्तरोत्तर हिंसा और जोर-जबरदस्ती पर निर्भर होती गयी। पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले से तृणमूल में जनता के भरोसे का क्षरण हुआ, और आर.जी. कर बलात्कार व हत्या कांड एक बड़ा मोड़ साबित हुआ। ममता ने पहले शासन पर नियंत्रण खोया - जो शुरू में भी कभी पूर्ण नहीं था – और फिर नैरेटिव पर भी नियंत्रण खो दिया। साल 2021 में, हिंदी पट्टी परियोजना के प्रोत्साहक के रूप में देखी जाने वाली भाजपा के खिलाफ उनका बंगाली पहचान की रक्षक होने का दावा काम कर गया था। लेकिन क्षेत्रीय पहचान की राजनीति तब कमजोर पड़ गयी जब उसका मुख्य पैरोकार ही अराजकता और अधोगति का शिकार बन गया। भाजपा की रणनीति बीते सालों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सीधी निगरानी में विकसित हुई है। शाह ने चुनाव अभियान के लिए राज्य में कई हफ्ते बिताये। पार्टी ने एक दशक के निरंतर काम के जरिए पूरे ग्रामीण बंगाल में बूथ स्तर पर अपनी क्षमता का विस्तार किया। आम चुनाव 2019 और विधानसभा चुनाव 2021 में उसके मजबूत प्रदर्शनों ने इसमें मदद की। भाजपा ने अपनी खुद की पहचान-की-राजनीति खड़ी की जो तृणमूल की बंगाली पहचान की राजनीति का मुकाबला करने में सक्षम थी। राज्य में भाजपा की राजनीति नागरिकता, प्रवासन और हिंदू एकजुटता को लेकर तीखी एवं तकरार भरी बहसों पर निर्मित हुई – ये सभी मुद्दे विवादास्पद प्रशासनिक सुधारों जैसे कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण (जिसे राज्य के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया था) और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) में बदलावों से जुड़े थे। सीएए का इस्तेमाल गोलबंदी के औजार के बतौर किया गया, खासकर मतुआ और दूसरे शरणार्थी समुदायों के बीच। भाजपा को हिंदू मतों के एकजुट होने के साथ-साथ तृणमूल के मुस्लिम आधार में निर्णायक फूट से फायदा हुआ। अब जबकि पार्टी ने पश्चिम बंगाल में इतिहास रच दिया है, तो उसके सामने मौजूद शासन संबंधी चुनौतियों को कम करके नहीं आंका जा सकता। शुभेंदु अधिकारी के एक प्रमुख सहयोगी की लक्षित हत्या और राज्य के कई हिस्सों को गिरफ्त में ले चुकी हिंसा बहुत कुछ बताती है। राज्य को विकास और प्रगति के लिए एक नयी दृष्टि की जरूरत है, लेकिन कानून-व्यवस्था की बहाली सबसे जरूरी प्राथमिकता है।

'बोहो सनडाउनर' ने इंदौर के संगीत प्रेमियों को दी एक यादगार शाम

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट, कुंवर विवेक अग्रवाल**

बोहो फार्म्स में आयोजित 'बोहो सनडाउनर' ने इंदौर के संगीत प्रेमियों को एक यादगार शाम दी। यह बहुप्रतीक्षित म्यूज़िक फेस्ट पूरी तरह से हाउसफुल रहा और हजारों दर्शकों ने उत्साह के साथ इस आयोजन का आनंद लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान ऊर्जा, संगीत और उत्सव का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस खास शाम में अभिनेता, सुपरमॉडल और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके डीजे अर्जुन रामपाल ने अपने शानदार डीजे सेट से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उनके साथ जोशा, रुचिर तथा इंदौर के प्रतिभाशाली स्थानीय कलाकारों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से माहौल को और खास बना दिया। यह आयोजन केवल एक म्यूज़िक फेस्ट नहीं था, बल्कि इंदौर की तेजी से विकसित होती संगीत और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक भी बना। स्थानीय कलाकारों को देशभर के स्थापित कलाकारों के साथ मंच साझा करने का अवसर मिला, जिससे शहर की प्रतिभा को नई पहचान मिली। 'बोहो सनडाउनर' ने यह साबित कर दिया कि इंदौर अब सिर्फ खान-पान के लिए ही नहीं, बल्कि उच्च स्तरीय संगीत और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए भी देशभर में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। इस सफल आयोजन ने शहर के युवाओं और संगीत प्रेमियों को एक विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान किया और भविष्य में ऐसे और बड़े आयोजनों की संभावनाओं को मजबूत किया।

भस्म आरती में शामिल हुए अर्जुन रामपाल, बाबा महाकाल का लिया आशीर्वाद

महाकाल लोक का निर्माण होने के बाद महाकालेश्वर मंदिर में हर दिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं. बाबा के दरबार में आम जनता से लेकर बड़ी-बड़ी हस्तियां जिनमें क्रिकेटर, अभिनेता व अभिनेत्रियां, सिंगर, उद्योगपति, राजनेता सहित कई वीवीआईपी दर्शन करने पहुंच रहे हैं. वहीं आज यानि रविवार तड़के होने वाली भस्म आरती में शामिल होने फेमस बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल पहुंचे. जहां उन्होंने दर्शन कर बाबा का आशीर्वाद लिया.उज्जैन पहुंचे एक्टर अर्जन रामपाल सबसे पहले महाकाल मंदिर पहुंचे. यहां वे रविवार तड़के भस्म आरती में शामिल हुए. जहां वे नंदी हॉल में लोगों के बीच बैठकर बाबा महाकाल की भस्म आरती में भक्तिलीन नजर आए व महाकाल का जाप करते हुए भी दिखे. सुबह तड़के 2 बजे लगभग बाबा के पट खोले गए. जिसके बाद पूजन का दौर शुरू हुआ. जिसमे पुजारियों ने गर्भ गृह में स्थित सभी देवी-देवताओं का पूजन कर जलाभिषेक कराया.

समाजसेवा, संस्कार और सादगी की मिसाल थे अशोक पाठक

उनके निधन से पूरे समाज में शोक की लहर

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट**

बड़वाह क्षेत्र से जुड़े एवं इंदौर निवासी आदरणीय अशोक पाठक जी के निधन से क्षेत्र सहित पूरे समाज में गहरा शोक व्याप्त है। उनका जाना केवल पाठक परिवार की ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।

अशोक पाठक जी अत्यंत सरल, आध्यात्मिक एवं निस्वार्थ व्यक्तित्व के धनी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन परिवार, समाज एवं संस्कारों को समर्पित किया। उनके व्यवहार में सदैव अपनापन, आत्मीयता और प्रेम झलकता था। वे प्रत्येक व्यक्ति के प्रति समान स्नेह रखते थे तथा हर कार्य को प्रभु की इच्छा मानकर करते थे। उनके जीवन में कभी 'मैं' का भाव नहीं रहा, बल्कि सेवा और समर्पण ही उनकी पहचान थी।

वे केवल अपने परिवार तक सीमित नहीं थे, बल्कि अपने बच्चों के मित्रों को भी अपने बच्चों के समान स्नेह और अपनापन देते थे। उनके लिए हर व्यक्ति समान था और सभी के प्रति उनका प्रेम एवं लगाव निस्वार्थ भाव से भरा हुआ था। यही कारण था कि उनसे जुड़ा हर व्यक्ति स्वयं को उनके परिवार का हिस्सा महसूस करता था।

समाजहित में उनके योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा। कुछ समय पूर्व उन्होंने बड़वाह क्षेत्र के तीन शासकीय विद्यालयों को गोद लेकर उनका जीर्णोद्धार कराया तथा उन्हें निजी संस्थानों से बेहतर सुविधायुक्त बनाने का सराहनीय प्रयास किया। शिक्षा एवं संस्कारों के प्रति उनकी सोच सदैव सकारात्मक रही। वे मानते थे कि समाज का उत्थान शिक्षा से ही संभव है।

भूमि विकास बैंक में अपनी सेवाएं देते हुए उन्होंने अपने कार्यकाल को भी ईमानदारी, सकारात्मकता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ निभाया। परिवार को साथ लेकर चलना, प्रत्येक सदस्य को प्रेम देना एवं रिश्तों को मजबूती से बांधे रखना उनकी विशेषता थी।

उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मनोरमा पाठक भी शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिष्ठित रहीं हैं। वे प्राचार्य पद से सेवानिवृत्त होने के बाद आज भी समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय हैं तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने का सतत प्रयास कर रही हैं। वर्तमान में वे अपने पूज्य पति अशोक पाठक जी के सेवा कार्यों एवं आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए परिवार को संबल प्रदान कर रही हैं।

अशोक पाठक जी के दो पुत्र हैं — विवेक पाठक एवं विशाल पाठक। बड़े पुत्र विवेक पाठक एक उद्योगपति हैं और अपने पिता द्वारा दिए गए संस्कारों को आगे बढ़ाते हुए सेवा भाव से कार्य कर रहे हैं। वहीं छोटे पुत्र विशाल पाठक भारतीय जनता पार्टी से जुड़कर निरंतर सामाजिक एवं जनसेवा के कार्यों में सक्रिय हैं। वर्तमान में वे भाजपा किसान मोर्चा मध्यप्रदेश के सह मीडिया प्रभारी के दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। दोनों ही पुत्रों में अपने पिता के संस्कार, सादगी और समाजसेवा की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। अशोक पाठक जी का जीवन समाज के लिए प्रेरणा स्वरूप रहेगा। उनके विचार, सेवा कार्य एवं सादगी सदैव लोगों के हृदय में जीवित रहेंगे। निश्चित ही उनके निधन के साथ समाज ने एक शानदार व्यक्तित्व एवं स्वर्णिम अध्याय को खो दिया है।

ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति

मनोज मालवीय जिला मिडिया प्रभारी व रेवल बर्डे जिला उपाध्यक्ष मनोनीत

■ **बड़वाह। संभाग पोस्ट**

प्रधानमंत्री जन जागरण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष लक्की खत्री की सहमति से जिलाध्यक्षा क्रांति राठौड़ ने युवा पत्रकार मनोज मालवीय को जिला मीडिया प्रभारी व रेवल सिंह बर्डे को जिला उपाध्यक्ष खरगोन मनोनीत किया है।इनके मनोनयन पर जिला महामंत्री डॉ.एन.एस.सोलंकी,मानसिंह चौहान,जयशिव सेन,उपाध्यक्ष माया ठाकुर,बी आर सांवले,प्रेमलाल अंजना,मुकेश शर्मा,देवेंद्र कर्मा,अनिल शर्मा,महेश कर्मा,विजय वर्मा, राजा सोलंकी सहित संघठन के पदाधिकारियों ने बधाई दी।

20 साल से रिस रहा नर्मदा का हजारों गैलन पानी

कोई परवाह नहीं, बस हर साल मरम्मत के नाम पर पैसा करते हैं बर्बाद और अब बहते रहने के लिये बनवा रहे पक्की नाली भी

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट, दिनेश सोलंकी**

महू। पिछले 20 सालों में अकेला प्रिय पाठक ही ऐसा समाचार पत्र है जो बार बार एमसीटीई महू में स्थित नर्मदा के जल संग्रहण वाली अंग्रेजों के समय से बनाई गई डिक्कियों से रोज 24 घंटों बहने वाले पानी की ओर ध्यान आकर्षण कराता आ रहा है, जिसे लेकर आधुनिक तकनीकि जमाने में सेना इसके बहाव का हल आज तक नहीं खोज पाई है। जबकि भारतीय सेना आधुनिक और तकनीकि हथियारों और युद्ध शैली के लिये विश्व में अपना दम खम रखती है। महू में हर रोज यह देखकर बेहद कोफ्त होती है कि एमसीटीई की प्राचीन पानी संग्रहण की डिक्कियों से लगातार पानी रिस कर हजारों गैलन की मात्रा में 24 घंटों में बह जाता है। ये पानी दो स्थानों से बहता है। एक तो एमसीटीई के मुख्य गेट के पास से होकर निकलता है जो फिर पोस्ट ऑफिस रोड स्थित शिव मंदिर के पीछे से नाले में मुड़कर ऑरफियम सिनेमा से होते हुए राजमोहल्ला, कोयला बाखल, गोकुलगंज, मोतीमहल सिनेमा, यादव मोहल्ला से होते हुए किसनगंज रेलवे और सड़क पुल के नीचे बहने वाले नदीनुमा नाले में मिल जाता है। दूसरी ओर यही पानी सीईडब्ल्यूई ऑफिस के पास से होता हुआ उपवन बगीचे से होकर जनरल्स रोड के नीचे से गुजरता है। इन दोनों बहते हुए पानी को रोकने के लिये हर साल एमसीटीई की डिक्कियों में मरम्मत के नाम पर हजारों -लाखों रुपए खर्च किये जाते हैं जो अपने आप में बड़ा मजाक भी हो सकता है। क्षेत्र में प्रतिदिन सुबह घूमने वाले डॉ महेश तिवारी और ओंकार तिवारी सहित अनेक लोग विस्मित आँखों से इस जल की बर्बादी को होते सालों से देखते आ रहे हैं। डॉ तिवारी का कहना है कि आज हम आधुनिक जमाने में तकनीकि क्षमताओं से आगे बढ़ते जा रहे हैं तो क्या बरसों से बहने और बर्बाद होने वाले जल की बरबादी को रोकने के लिये कोई कारगार उपाय नहीं खोज सकते! क्या 20 सालों से अविरल बहने वाले इस जल को हम आगे के 20 साल और यूँ ही देखते रहेंगे!बहाव के लिये लाखों रुपए से बनवा रहे हैं पक्की नाली भीअब एक ओर हास्यास्पद और शर्मनाक हरकत पर भी नजर डालिये। एमसीटीई की इन डिक्कियों से बहने वाले नर्मदा जल पर तो रोक नहीं लगाई जा रही है लेकिन इसके ऐसे ही बहते रहने को देखते हुए बकायदा पक्की नाली का निर्माण चालू कर दिया गया है जो बर्बाद होता नर्मदा का पानी अब कच्ची के बजाय पक्की नाली में बहते हुए आगे की ओर जाएगा। याने आगे के सालों में भी नर्मदा का पानी यूं ही बर्बाद होता रहे, इसके पक्के इंतजाम किये जा रहे हैं। शर्मनाक यह भी है कि 24 घंटे बहने वाले पानी के लिये पक्की नाली कितने दिनों तक टिक पाएगी, इस पर भी विचार नहीं किया जा रहा है, बस पैसा बर्बाद करना है वो भी जल बर्बादी को नियमित बहते रहने के लियेष्ठ..ये बहुत अफसोस का विषय होता जा रहा है..! क्या सेना के वरिष्ठ अधिकारी इस पर गौर करेंगे!

इंदौर में आसमान में बरस रही आग

• **इंदौर। विशेष प्रतिनिधि**

इंदौर में मई महीने के शुरुआती दिनों में मिली मामूली राहत अब खत्म हो गई है और दूसरे हफ्ते की शुरुआत के साथ ही सूरज के तेवर तीखे हो गए हैं। पिछले दो दिनों से शहर के तापमान में लगातार उछाल देखने को मिल रहा है, जिससे जनजीवन प्रभावित होने लगा है। शनिवार को इंदौर का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसने इस सीजन की तपिश को और बढ़ा दिया है। दिन के साथ-साथ रातों में भी अब गर्मी से सुकून नहीं मिल रहा है। रविवार को भी सुबह से ही गर्म हवाएं चल रही हैं और 11 बजे बाद से सड़कों पर लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है।

42 डिग्री के पार पहुंचा पारा

लगातार बढ़ रही है तपिश

मौसम विभाग के आंकड़ों पर नजर डालें तो शहर में पिछले चार दिनों से पारा निरंतर ऊपर चढ़ रहा है। शुक्रवार को जहां अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस था, वहीं शनिवार को यह बढ़कर 42 डिग्री तक पहुंच गया। दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच शहर की सड़कों पर तेज तपिश का सबसे ज्यादा असर देखा गया। सड़कों पर चलने वाले राहगीरों और ट्रैफिक सिग्नल पर रुकने वाले दोपहिया वाहन चालकों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने राहत देने के लिए कुछ प्रमुख चौराहों पर हरी नेट लगाई है, ताकि वाहन चालकों को सीधी धूप से बचाया जा सके।

रात के तापमान में भी नहीं मिल रही राहत

दिन की तपिश के साथ ही रात के समय भी गर्मी का असर बना हुआ है। शनिवार की रात का तापमान 24.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हालांकि यह शुक्रवार की रात के तापमान 25.1 डिग्री के मुकाबले मामूली कम है, लेकिन उमस और गर्मी के कारण लोगों को रात में भी बेचैनी महसूस हो रही है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में रात के पारे में भी बढ़ोतरी होने के संकेत हैं।

साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन सक्रिय

मौसम वैज्ञानिकों ने वर्तमान स्थिति का विश्लेषण करते हुए बताया है कि प्रदेश के कुछ हिस्सों में ट्रफ लाइन और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है। इसी वायुमंडलीय दबाव के कारण हवाओं की दिशा और गति में परिवर्तन हो रहा है, जिसका सीधा असर इंदौर और आसपास के जिलों के तापमान पर पड़ रहा है। आसमान साफ होते ही धूप की तीव्रता और बढ़ गई है।

आगामी दिनों के लिए लू का अलर्ट

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन के मुताबिक 10 मई से आसमान पूरी तरह साफ रहने की उम्मीद है, जिससे गर्मी में और इजाफा होगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि 12 और 13 मई को पश्चिमी मध्य प्रदेश के कई जिलों में लू यानी हीटवेव चलने की प्रबल संभावना है। इंदौर में भी आने वाले दिनों में पारा और ऊपर जा सकता है, जिससे लोगों को दोपहर के समय सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

शहर में बेलगाम बसों से बिगड़ रहा ट्रैफिक, कार्रवाई से दूर ट्रैवल्स कंपनियां; रोज लग रहा जाम

• **इंदौर। विशेष प्रतिनिधि**

इंदौर में ट्रैफिक पुलिस जहां दिनभर दोपहिया वाहन चालकों के चालान काटती नजर आती है, वहीं शहर में संचालित अंतरराज्यीय बसों पर उसका कोई प्रभाव दिखाई नहीं देता। सुबह और शाम के व्यस्त समय में कई बसें सड़कों पर खड़ी होकर ट्रैफिक व्यवस्था बिगाड़ती हैं। इतना ही नहीं, बसों के जरिए गैरकानूनी तरीके से लाया गया सामान और पार्सल बीच सड़क पर ही उतार दिया जाता है। रविवार को हंस ट्रैवल्स के गोदाम में एक गंभीर घटना सामने आई। यहां एक कर्मचारी ने 100 किलो वजनी पार्सल महिला सफाईकर्मी पर फेंक दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और गोदाम को भी सील कर दिया है। शहर में हंस ट्रैवल्स समेत कई ट्रैवल्स कंपनियां रोजाना सैकड़ों किलो पार्सल अलग-अलग राज्यों तक पहुंचाती हैं, लेकिन इनके सामान की कोई प्रभावी जांच नहीं होती। कई बार बसों के जरिए हवाला का पैसा ले जाए जाने के मामले भी सामने आ चुके हैं।

आधी सड़क घेरकर खड़ी होती हैं बसें

ढक्कनवाला कुएं के पास हंस ट्रैवल्स की बसें आधे से ज्यादा सड़क घेरकर खड़ी रहती हैं, जिससे अन्य वाहन चालकों को निकलने में परेशानी होती है। कई शिकायतों के बावजूद ट्रैफिक पुलिस ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। यही स्थिति बॉम्बे अस्पताल चौराहा, स्टार चौराहा और रेडिसन चौराहा पर भी देखने को मिलती है, जहां बसें सड़क किनारे खड़ी होकर लंबा जाम लगवाती हैं। शाम के समय ट्रैफिक दबाव बढ़ने पर स्थिति और खराब हो जाती है।

बस का परमिट हो सकता है निरस्त

महिला सफाईकर्मी पर पार्सल फेंकने की घटना के बाद कर्मचारियों पर तो केस दर्ज हो गया, लेकिन हंस ट्रैवल्स के खिलाफ अब तक कोई बड़ी कार्रवाई नहीं हुई है। जिस बस की छत से पार्सल फेंका गया, उसे सामान ढोने की अनुमति नहीं थी। ऐसे में परिवहन विभाग बस का परमिट निरस्त करने के साथ उसे जब्त भी कर सकता है।

जीवन मूल्य और युगानुकूलता: भारतीय समाज का वास्तविक स्वीकार्य स्वरूप

डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी
प्रोफेसर एवं समूह निदेशकः ऑक्सफोर्ड-इंदौर इंटरनैशनल कॉलेजेस, इंदौर; राज्य सरकार नामित सदस्यः अवंतिका विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र)

भारत, एक ऐसा देश है जहाँ संस्कृति, परंपरा और जीवन मूल्य एक दीर्घकालीन इतिहास को समेटे हुए हैं। यहां की विविधता न केवल भौगोलिक और भाषाई है, बल्कि यह जीवन के दृष्टिकोण में भी परिलक्षित होती है। इस समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में, जीवन मूल्य और युगानुकूलता भारतीय समाज का वास्तविक स्वरूप प्रस्तुत करते हैं। समय के साथ, समाज में बदलाव आवश्यक हैं जो हमें नई पीढ़ी के अनुरूप ढालने में मदद करते हैं। इस लेख में, हम देखेंगे कि कैसे जीवन मूल्य और युगानुकूलता एक दूसरे के पूरक हैं और कैसे पुराने विचारों को त्यागकर नई व्यवस्था का निर्माण किया जा सकता है।

जीवन मूल्यः स्थायी धारा

जीवन मूल्य वह नैतिक सिद्धांत हैं जो हमें सही और गलत के बीच फर्क करने में मदद करते हैं। भारतीय समाज में जीवन मूल्य जैसे कि सत्य, अहिंसा, धर्म, और करुणा का एक महत्वपूर्ण स्थान है। ये मूल्य न केवल व्यक्तिगत विकास में सहायक होते हैं, बल्कि सामूहिक साक्षरता और समाजिक समरसता का भी आधार बनते हैं। भारत में 'वसुधैव कुटुम्बकम' का सिद्धांत हमें यह सिखाता है कि सम्पूर्ण मानवता एक परिवार है। जब हम इस सिद्धांत को अपने जीवन में उतारते हैं, तो यह हमारे समाज में आपसी सहयोग और एकता को बढ़ावा देता है।

युगानुकूलताः परिवर्तन की आवश्यकता

समय के साथ-साथ समाज में होने वाले परिवर्तन अनिवार्य हैं। हमें अपने जीवन मूल्यों को परिवर्तनशील परिस्थितियों के अनुरूप ढालने की आवश्यकता होती है। नई पीढ़ी का दृष्टिकोण, तकनीकी प्रगति और वैश्विक सोच ने एक नई दिशा में विचारों को मोड़ा है। युगानुकूलता का अर्थ है उन विचारों और परंपराओं को छोड़ना जो अब प्रासंगिक नहीं हैं। यह नए विचारों को अपनाने और उन्हें अपने जीवन में कार्यान्वित करने का समय है।

युगानुकूलता को अपनाने से हम केवल अपने व्यक्तिगत जीवन में ही नहीं, बल्कि समाज के विकास में भी योगदान कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, शिक्षा के क्षेत्र में रचनात्मकता और नवाचार का होना आवश्यक है। पुरानी शिक्षा विधियों को त्यागकर हमें एक ऐसी प्रणाली स्थापित करनी होगी जो युवा पीढ़ी को आधुनिक चुनौती का सामना करने में सक्षम बनाए।

पुरानी अप्रासंगिक, अनैतिक परंपराओं को त्यागना

पुरानी परंपराओं में कुछ तत्व ऐसे हो सकते हैं जो अब वैज्ञानिक या नैतिक दृष्टि से सही नहीं मानें जाते। जैसे, जातिवाद, भेदभाव और कई अन्य सामाजिक बुराइयाँ हमें अपने समाज से समाप्त करनी होंगी। हमें यह समझना होगा कि सहिष्णुता, समानता और न्याय का सिद्धांत आज के विश्व में तेजी से महत्वपूर्ण हो गया है। इसलिए, पुरानी सोच और सामरिक रिवाजों को त्यागने में ही हमारी भलाई है।

नए आयामों का निर्माण

नवीन विचारों और दृष्टिकोणों को अपनाने से न केवल व्यक्तिगत विकास होगा, बल्कि सामूहिक भलाई भी सुनिश्चित होगी। प्रौद्योगिकी और सामाजिक संरचनाओं में नवाचार पारंपरिक मूल्यों और समकालीन आवश्यकताओं के बीच एक सेतु का काम कर सकता है।नई पीढ़ी के लिए ऐसे अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है जो उन्हें सतत विकास और सामुदायिक सेवा के लिए प्रेरित करे। उदाहरण के लिए, भारत सरकार और गैर सरकारी संस्थाओं ने तकनीकी शिक्षा, स्टार्टअप्स, और उद्यमिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे युवा पीढ़ी को अपने विचारों को कार्यान्वित करने का मंच मिलता है।

उपसंहारः

जीवन मूल्य और युगानुकूलता का सामंजस्य भारतीय समाज की वास्तविक पहचान है। जब हम अपने मूल्यों को अद्यतन करते हैं और पुरानी, अप्रासंगिक परंपराओं को त्यागते हैं, तो हम अपने समाज को एक नई दिशा में आगे बढ़ने में मदद करते हैं। यह केवल हमारे व्यक्तिगत विकास के लिए नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी आवश्यक है। इस परिवर्तनशील युग में, सकारात्मक दृष्टिकोण और उद्यमशीलता का समावेश ही हमें सफल बना सकता है। इसलिए, भारतीय समाज की वास्तविकता को समझने के लिए हमें न केवल अपने जीवन मूल्यों को समझना होगा, बल्कि उन्हें समय के अनुसार युजनासंगत बनाना भी जरूरी है। जीवन मूल्यों और युगानुकूलता का एकीकरण हम सभी के लिए एक सुनहरे भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

संभाग पोस्ट सामाजिक दृढ़ता संकल्प अभियान

अब आपकी आवाज होगी बुलंद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के संग

आज के समाज में हम देख रहे हैं की शहरी परिवेश की बात करें या ग्रामीण परिवेश की आज के परिवेश में व्यक्ति अकेला पड़ता जा रहा है। आधुनिक तकनीकियों का इस्तेमाल करते-करते अपने आप को अकेला महसूस करता है , जब उसके ऊपर ऐसी कोई विपत्ति आती है की जब उसके परिवारजन या मित्र बंधु उसका साथ दे। तब वह पता है कि वह अकेला खड़ा है। यह आज के समाज का सत्य है। यह भारत के ७० प्रतिशत लोगों की सच्चाई है वह किसी भी प्रकार की समस्या में हो चाहे पारिवारिक या मानसिक, सामाजिक, प्रशासनिक या चिकित्सकीय हो ऐसी किसी भी समस्या में वह पाता है कि वह अकेला है। और यदि ऐसे मे किसी मोड़ पर कुछ व्यवधान उत्पन्न हो तब वह नीरस हो जाता है, और किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठता है । समाज की ऐसी सबसे बड़ी समस्या को लेकर हमने सामाजिक दृढ़ता संकल्प का अभियान चलाया है जिसके तहत हम उन सभी ऐसे लोगों के साथ खड़े हुए हैं जो हमसे जुड़ेंगे तथा वे लोग जो हमसे किसी न किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं , हमारा प्रयास यह होगा कि ऐसी किसी भी समस्या में हम उनके साथ खड़े हो जिस जगह पर वह सही है और उन्हें व्यवधान,समस्या का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में संभाग पोस्ट परिवार उनके साथ खड़ा है।

- समाज में एक कहावत प्रचलित है सत्य परेशान हो सकता है। पराजित नहीं हो सकता,
- ईश्वर की इसी प्रेरणा को हमारे मीडिया चैनल हमारे अखबार ने आत्मसात किया है और हम उन सभी समाज जनों के साथ खड़े हैं जिनके साथ सत्य है।
- ईश्वर सत्य का साथ देने वाले उनके अनुयायियों की सहायता करने स्वयं नहीं आते किंतु किसी न किसी माध्यम से सत्य का साथ दे रहे व्यक्ति की सहायता जरूर करते हैं।
- हम अपने आप को धन्य समझते हैं कि हमने यह मुहिम चलाई है जिसके तहत यदि आपके साथ सत्य है तो हम आपके साथ सदा खड़े हुए हैं
- हमारे चैनल और हमारे अखबार से जुड़े हुए सभी सदस्य गण जिनकी किसी भी प्रकार की परेशानी अब उनकी नहीं वह हमारी है।
- जब समाज दृढ़ होगा, सत्य की विजय होगी जब एकता और समान व्यवहार और ज्ञान होगा तब हमारा समाज एक नए भारत का दृढ़ निश्चय भारत का निर्माण कर पाएगा
- यदि आपका काम, स्वयं आप और आपका विचार, सत्य के साथ है तो वह आपका नहीं अपितु वह हमारा विचार होगा , क्योंकि आप भारत के चौथे स्तंभ मीडिया के साथ है
- अब आम आदमी की आवाज आम आदमी की नहीं अपितु उसके साथ हमारी भी आवाज होगी इसलिए आपसे निवेदन है कि हमारे साथ शीघ्र से शीघ्र जुड़े और अपनी आवाज को एक नया आयाम दें और अपने समाज को अपने परिवार को और अपने देश को सशक्त बनाएं
- हमारे साथ जुड़ने के लिए आपको कोई नया प्रयास नहीं करना केवल सामाजिक दृढ़ता संकल्प संभाग पोस्ट अभियान का एक फॉर्म भरना है

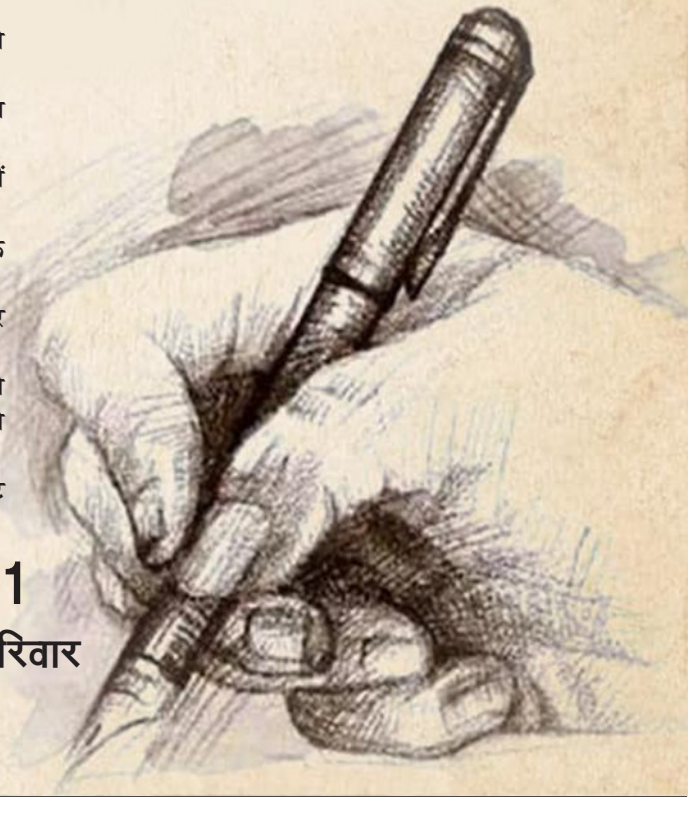

विचार न कीजिए तुरंत संपर्क करें: 9755648321

क्योंकि दृढ़ होगा समाज तो सशक्त होगा भारत और खुशहाल होगा हमारा परिवार

सत्यम,शिवम्,सुंदरम। सत्यमेव जयते

भारत माता की जय वंदे मातरम

नर्मदा का जलस्तर कम, तालाब भी आधे खाली, 600 टैंकरों से इंदौर में खत्म नहीं हो रहा जलसंकट

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर में 15 जून के आस-पास मानसून सक्रिय होता है, लेकिन उससे पहले शहरवासियों को 30 कठिन दिनों का सामना करना पड़ सकता है। शहर के 60 प्रतिशत से अधिक बोरिंग्स में पानी का स्तर गिर चुका है और कई बोरिंग पूरी तरह सूख गई हैं। स्थानीय तालाबों का जलस्तर आधे से ज्यादा खाली हो गया है। शहर की मुख्य जल आपूर्ति नर्मदा नदी पर निर्भर है, लेकिन इसका जलस्तर समुद्र तल से 147 मीटर तक गिर चुका है। इंदौर में प्रतिदिन कुल 430 एमएलडी पानी की मांग है, लेकिन वर्तमान में केवल 320 एमएलडी पानी उपलब्ध हो पा रहा है। नर्मदा और यशवंत सागर से मिल रही आपूर्ति 350 एमएलडी है। यशवंत सागर तालाब, जिसकी कुल क्षमता 19 फीट है, आधा खाली हो चुका है और यह तालाब शहर को प्रतिदिन 30 एमएलडी पानी उपलब्ध कराता है। शहर में जल वितरण के लिए हर दिन 600 से अधिक टैंकर दौड़ रहे हैं। कुछ वार्डों में दो टैंकर और कुछ में तीन टैंकर भेजे जा रहे हैं। शहर की 100 से अधिक बस्तियों की गलियां इतनी तंग हैं कि वहां टैंकर या चार-पहिया वाहन तक नहीं पहुँच सकते। गोमा की फेल, पंचम की फेल, लाला का बगीचा, चंदन नगर, अशर्फी नगर, धीरज नगर, कृष्णबाग कॉलोनी सहित कई गलियों में लोग दिनभर खाली बर्तन और केन में पानी भरने के लिए इंतजार कर रहे हैं। तालाबों का कम जलस्तर आसपास की कॉलोनियों के भूजल स्तर को प्रभावित कर रहा है।

जलकार्य समिति प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू का कहना है कि गर्मी के मौसम में पानी की मांग बढ़ जाती है जबकि आपूर्ति प्रभावित होती है। इसलिए कुछ इलाकों में जलसंकट और टैंकरों पर निर्भरता बढ़ गई है।

इसलिए इंदौर में गहराया जलसंकट

शहर में 60 प्रतिशत से ज्यादा बोरिंगों में पानी कम आ रहा है। कई बोरिंग पूरी तरह सूख गए है। -तालाबों का जलस्तर कम हुआ है। इससे आसपास की कॉलोनियों का भूजल स्तर प्रभावित हो रहा है। -नर्मदा नदी का जलस्तर भी कम हुआ है। शहर में 100 एमएलडी पानी की कमी हो गई है। -टैंकर नर्मदा की टंकियों से भरे जा रहे है। इस कारण नलों में भी पानी का दबाव कम है।

इंदौर। शहर में गिरते भू-जल स्तर और बढ़ते पेयजल संकट के खतरे को देखते हुए नगर निगम ने बड़ा फैसला लिया है। अब शहर में 52 निजी हाइड्रेंट चिन्हित किए गए हैं, जिनसे जरूरत पड़ने पर सरकारी टैंकरों में मुफ्त पानी भरवाया जाएगा।

क्या है पूरा मामला?

नगर निगम ने साफ कर दिया है किसभी निजी हाइड्रेंट संचालकों को सरकारी टैंकरों में निःशुल्क पानी भरने की अनुमति देनी होगी।इसका उद्देश्य है कि जल संकट वाले इलाकों में पेयजल आपूर्ति बिना बाधा जारी रहे।

मनमानी पर होगी कार्रवाई

निगम ने निजी टैंकर संचालकों को भी सख्त निर्देश दिए हैं:पानी ढुलाई के नाम पर अत्यधिक या मनमाना शुल्क नहीं वसूला जाएगा।शिकायत मिलने पर संबंधित टैंकर संचालकों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य

इसके अलावा

चिल्ड वाटर प्लांट

कमर्शियल कूलिंग यूनिट

बड़े संस्थान

अधिक जल उपयोग करने वाली इकाइयां

इन सभी को रैन वाटर हार्वेस्टिंग और भू-जल पुनर्भरण संरचनाएं अनिवार्य रूप से स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं।आदेश का उल्लंघन करने पर वैधानिक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।कुल मिलाकर, इंदौर में संभावित जल संकट से निपटने के लिए प्रशासन अलर्ट मोड पर है। अब देखना होगा कि ये फैसले जमीन पर कितने असरदार साबित होते हैं।

गैस टंकी फटी, गैस लाइन तक आग पहुंचने से पहले ही पुलिस ने बुझाई, एक व्यक्ति झुलसा

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

आज सुबह इंदौर में पुलिस की सक्रियता ने एक बड़ा हादसा होने से बचा लिया। सुबह जब पुलिस की टीम प्रभात गश्त पर थी, तभी थाना लसूड़िया क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एमआर-3 रोड पर एक गैस टंकी में आग लगने की आपातकालीन सूचना प्राप्त हुई। जानकारी मिली की एक व्यक्ति झुलस गया है और जहां टंकी में आग लगी है वहीं पर पास ही गैस की लाइन भी जा रही है।

रहवासी क्षेत्र में फैली दहशत और अफरा-तफरी

जैसे ही गैस टंकी में आग लगने की खबर फैली, पूरे क्षेत्र में भगदड़ और भय का वातावरण बन गया। घटना स्थल के समीप सघन रहवासी बस्ती होने और वहां से गैस पाइपलाइन गुजरने के कारण स्थानीय लोग बेहद डरे हुए थे। लोगों को इस बात का डर सता रहा था कि यदि टंकी में विस्फोट हुआ तो यह एक बड़ी त्रासदी का रूप ले सकता है। मौके पर मौजूद भीड़ और संभावित खतरे को देखते हुए स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई थी।

पुलिस टीम ने की त्वरित कार्रवाई

सूचना मिलते ही गश्त पर तैनात एसीपी हीरानगर रूबीना मिजवानी, लसूड़िया एवं विजय नगर की एफआरवी और बीट महालक्ष्मी नगर के जवान बिना किसी देरी के घटना स्थल पर पहुंचे। एसीपी ने हालात का जायजा लेते हुए तुरंत आग पर काबू पाने के निर्देश दिए। पुलिस के जवानों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए अदम्य साहस का परिचय दिया और संसाधनों का सही उपयोग करते हुए जलती हुई गैस टंकी पर नियंत्रण पाया।

गैस लाइन तक आग पहुंचने से पहले ही बुझा दी गई

प्राप्त जानकारी के अनुसार, एमआर-3 रोड सनसिटी के पास स्थित एक खाली प्लॉट पर बनी गुमटी के पास रखी टंकी में यह आग लगी थी। इस दुर्घटना में सरस्वती नगर निवासी 50 वर्षीय भगवान सिंह पिता समर सिंह आंशिक रूप से झुलस गए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घायल व्यक्ति को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल रवाना किया। पुलिस की इस सक्रियता के कारण आग को अन्य सिलेंडरों या गैस लाइन तक फैलने से पहले ही बुझा दिया गया।

स्थानीय नागरिकों ने जताया आभार

पुलिस की समय रहते की गई कार्रवाई से एक बहुत बड़ा हादसा टल गया, जिससे आसपास के रहवासियों ने राहत की सांस ली। क्षेत्र के नागरिकों ने पुलिस अधिकारियों और जवानों की तुरंत कार्रवाई की प्रशंसा की। लोगों का कहना था कि यदि पुलिस बल मौके पर तुरंत न पहुंचता, तो स्थिति अत्यंत भयावह हो सकती थी।

इंदौर के समीप बेटमा में युवक की सिर कुचल कर हत्या, नदी के पास फेंक दिया था शव

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर से 30 किलोमीटर दूर बेटमा में लगातार हत्याएं हो रही हैं। चार दिन पहले हुई हत्या की गुत्थी अभी सुलझी भी नहीं थी कि अब एक युवक की पत्थरों से सिर कुचलकर हत्या कर दी गई। हत्यारे शव को चंबल नदी के किनारे फेंककर फरार हो गए। पुलिस अब आरोपियों का पता लगाने में जुटी हुई है। हत्या के लिए हथियारों के बजाय पत्थर का इस्तेमाल किया गया। इससे पुलिस कयास लगा रही है कि तात्कालिक विवाद के चलते युवक को मौत के घाट उतारा गया। पुलिस यह भी पता कर रही है कि युवक की किसी से पुरानी रंजिश तो नहीं थी।

बेटमा पुलिस को सूचना मिली थी कि बेटमा निवासी समीर पटेल घर से लापता हो गया है। इस बीच ग्रामीणों ने नदी किनारे पुल के नीचे एक शव देखा। वह समीर पटेल का शव था। शव के पास खून से सना पत्थर भी मिला, जिससे पता चला कि युवक की बेरहमी से हत्या की गई।

समीर कारीगर था और टाइल्स लगाने का काम करता था। दो दिन पहले वह काम से घर लौटा था और रोज की तरह टहलने निकला था, लेकिन वापस घर नहीं लौटा। समीर के दो बच्चे हैं। आठ साल पहले उसकी शादी हुई थी। पुलिस को यह भी पता चला है कि उसके साथ एक युवक भी था। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

एमपी का मदर मिल्क बैंक बना मिसाल

अपना दूध दान कर माताओं ने बचाई 1500 अनजान बच्चों की जान

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के सरकारी एमटीएच में मदर मिल्क बैंक का संचालन हो रहा है। इंदौर का मदर मिल्क बैंक देश में रोल मॉडल बन चुका है। साल 2023 में सरकारी एमटीएच में खोले गए इस सेंटर से अब तक करीब डेढ़ हजार से अधिक नवजातों की जान बचाई गई है। सेंटर में काउंसलिंग के बाद 1500 से अधिक महिलाओं ने करीब 350 लीटर दूध डोनेट किया है। एमटीएच प्रबंधन के मुताबिक, 2023 से मिल्क बैंक शुरू होने के बाद नवजात मृत्यु दर 25इ से घटकर 10 प्रतिशत तक आ गई है।

दो साल पहले हुई थी इस बैंक की शुरुआत

दरअसल, मां का दूध बच्चों के लिए बहुत ही जरूरी है। अगर किन्हीं कारणों के चलते न्यू बोर्न बेबी को मां का दूध नहीं मिले और वह कमजोर, बीमार, अनाथ या प्री टर्म हो तो उसकी मौत हो जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए दो साल पहले इंदौर में प्रदेश के पहले मदर मिल्क बैंक की शुरुआत हुई। सरकारी एमटीएच में यह मिल्क बैंक खोला गया। इसका पैटर्न कुछ ब्लड बैंक जैसा ही है, लेकिन डोनेट किए दूध को स्टोर करना और फिर उसे संबंधित बच्चों को उपलब्ध कराने की प्रोसेस भी अद्भुत है। इसके पूर्व संबंधित प्रसूता जिसे अपने बच्चे को दूध पिलाने के अलावा अन्य बच्चों को भी डोनेट करने के लिए उसकी काउंसलिंग की जाती है। इन दो साल में इस काम में तेजी आई है। 1500 से ज्यादा बच्चों को मां का दूध उपलब्ध कराया गया। प्रदेश के इकलौते इस मदर मिल्क बैंक से मालवा-निमाड़ और प्रदेश ही नहीं बल्कि राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र के बच्चों को जन्म से ही किसी अन्य मां का पौष्टिक दूध मिला।

आखिर क्यों पड़ी मदर मिल्क बैंक की जरूरत

देश के कई शहरों और कस्बों में मां का दूध नहीं मिलने से नवजातों की मृत्यु दर बढ़ने लगी थी। इसी गंभीर स्थिति को देखते हुए नेशनल हेल्थ मिशन (NHM) ने मध्यप्रदेश में इंदौर को मदर मिल्क बैंक के लिए उपयुक्त माना। साल 2022 में करोड़ों की लागत से इंदौर में महाराजा तुकोजीराव हॉस्पिटल (MTH) का निर्माण हुआ, जो मेटरनिटी हॉस्पिटल है। इसके साथ ही एमवाई अस्पताल का गायनिक विभाग भी यहीं शिफ्ट कर दिया गया। इसी दौरान एनएचएम और एमजीएम मेडिकल कॉलेज की मदद से कॉम्प्रिहेंसिव लेक्टेशन मैनेजमेंट सेंटर (ण्ध्श्ण) यानी मदर मिल्क बैंक की शुरुआत की गई। चूंकि उस समय कोरोना का अंतिम दौर चल रहा था, इसलिए इसकी शुरुआत बेहतर नहीं रही। लेकिन मार्च 2023 से इसका संचालन पूरी तरह सक्रिय हो गया, जिससे जरूरतमंद नवजातों को समय पर मां का दूध उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्रदेश के अन्य जिलों में भी विस्तार की तैयारी

एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डाक्टर अरविंद घनघोरिया ने बताया कि प्रदेश के अन्य सरकारी अस्पतालों के लिए एमटीएच रोल मॉडल है , NHM द्वारा लगातार इसका रिव्यू किया जा रहा है एवं अब प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेजों के अधीन सरकारी अस्पतालों में भी मदर मिल्क बैंक की स्थापना की जाएगी। इसके लिए इंदौर का मदर मिल्क बैंक रोल मॉडल रहेगा। इस दिशा में प्रोसेस शुरू हो चुकी है। डीन घनघोरिया ने कहा प्रीमैच्योर या SNCU (स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट) में भर्ती गंभीर नवजातों को इंफेक्शन का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। अगर इन्हें समय पर मां का दूध मिल जाए तो उनकी जान बचने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। कई बार बच्चा अनाथ होता है, मां की मौत हो जाती है, या किसी कारणवश दूध नहीं बनता। ऐसे में मां का दूध मिलना मुश्किल हो जाता है। इन्हीं हालातों के लिए मदर मिल्क बैंक की शुरुआत की गई, ताकि किसी दूसरी मां के पोषक दूध से भी नवजात को नया जीवन मिल सके।

चार राज्यों के नवजातों को मिला जीवनदान

इंदौर के एमटीएच अस्पताल में प्रसूताओं के लिए करीब 150 बेड की व्यवस्था है, जिसमें नवजात शिशुओं के लिए भी पर्याप्त सुविधा है। साथ ही यहां एञ्णळ (स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट) की क्षमता लगभग 60 बेड की है। यहां सिर्फ इंदौर ही नहीं, बल्कि भोपाल, ग्वालियर, मंदसौर, गुना, आगर मालवा, झाबुआ, खंडवा, बुरहानपुर सहित मालवा-निमाड़ के कई जिलों की महिलाएं और उनके नवजात शिशु भर्ती होते हैं। इसके अलावा गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र से भी सीमाओं से लगे शहरों से भी महिलाएं इलाज और प्रसव के लिए यहां पहुंचती हैं। इस प्रकार 1500 से ज्यादा बच्चों को नया जीवन मिला है। मां का दूध डोनेट करने के लिए बीते 3 साल में यहां 20 हजार से ज्यादा प्रसूता महिलाओं की काउंसलिंग की गई। इसमें से 1500 से ज्यादा महिलाओं ने अपना दूध डोनेट किया। इसकी मात्रा 350 लीटर से ज्यादा है। जिससे करीब 1500 बच्चों को नया जीवन मिला।

16 राजस्व निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल

कलेक्टर शिवम वर्मा ने जारी किए आदेश

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

प्रशासनिक कार्यों में बेहतर समन्वय और सुविधा को ध्यान में रखते हुए इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने जिले के राजस्व निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बड़ा फेरबदल किया है। 8 मई 2026 को जारी आदेश के अनुसार जिले के कुल 16 राजस्व निरीक्षकों और प्रभारी राजस्व निरीक्षकों की नवीन तहसील एवं कार्यालयों में पदस्थापना की गई है। जारी आदेश के तहत शुभम तिवारी और विशाल शर्मा को जूनी इंदौर भेजा गया है, जबकि प्रभारी राजस्व निरीक्षक श्री कैलाश चौधरी को भिचौली हप्सी से खुडैल स्थानांतरित किया गया है। संगीता पन्द्राम को जूनी इंदौर से भिचौली हप्सी तथा मुकेश सिंह पटेल को कॉलोनी सेल से देपालपुर भेजा गया है। इसी तरह श्रीराम राठौर को कनाड़िया से खुडैल, रामलाल खेडेकर को खुडैल से राऊ, अनिल किराड़े को देपालपुर से कनाड़िया और पठान ब्राम्हणे को राऊ से कॉलोनी सेल पदस्थ किया गया है। पूजा भावसार को खुडैल से जूनी इंदौर तथा प्रभारी राजस्व निरीक्षक कुशदास बैरागी को राऊ से भिचौली हप्सी भेजा गया है। इसके अलावा शंकर डाबर को डॉ. अंबेडकर नगर-महू से राऊ, ओ.पी. पाण्डे को डॉ. अंबेडकर नगर-महू से मल्हारगंज और धनसिंह रावत को हातोद से मल्हारगंज स्थानांतरित किया गया है। वहीं अरूण कुमार तिवारी को मल्हारगंज से कॉलोनी सेल तथा अकलेश सरमंडल को कॉलोनी सेल से हातोद भेजा गया है। कलेक्टर कार्यालय द्वारा जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। आदेश की प्रतिलिपि संबंधित एसडीएम और तहसीलदारों को आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी गई है।

श्री रवि इत्र सुगन्ध भण्डार
गुलाब, मोगरा, चन्दन, परफ्यूम इत्यादि के थोक एवं खेरची विक्रेता
प्रोपायटर : रवि सुगन्धी
मो. 9452665448
पता: हीरानगर, मेनरोड, सुखलिया, मिलन गार्डन के पास, इन्दौर

AFSL SERVICES INDIA LLP
Registered Under Ministry of Corporate Affairs & MSME, Govt of India
An ISO 9001: 2015 Certified Forensic Science Laboratory, LLPIN: ACN-6724
FORENSIC SCIENCE SERVICES
Scientific Assistance Towards Justice
• Crime Scene Investigation
• Handwriting, Signature & Documents Examination
• Fingerprint Examination
• Audio & Video Examination
• Voice Examination
• Computer/Cyber Crime Investigation
• Fire & Arson Investigation
• Insurance Fraud Investigation
• 65B IEA Certificate [63(4)(c) BSA]
• Cross Examination of forensic experts and reports
• Forensic Training & Internship
• Medicolegal Consultancy
• Photography Examination
• Forensic Consultancy.
www.appliedforensicresearchsciences.in

संदीप पवार
Mob :-98260-68380
KP
॥ श्री गणेशाय नमः॥
न्यू नर्मदा ट्रेडर्स
सीमेन्ट
बालू रेती
काली रेती, गिट्टी
ईंट एवं बिल्डिंग मटेरियल के विक्रेता
4, मंगलनगर, आई.टी.आई. रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, पेट्रोल पम्प के पहले, इन्दौर (म.प्र.)

रामसेवक दुबे
9406621084
पूजा
बुक्स एण्ड स्टेशनर्स
CBCE स्कूल बुक्स
चिल्ड्रन बुक्स
ऑफिस स्टेशनरी
कम्प्यूटर स्टेशनरी
स्कूल स्टेशनरी एवं
गिफ्ट आयटम
6/3, सुंदर अपार्टमेन्ट, क्लर्क कालोनी चौराहा, श्री सत्य सांई बाल विनय मंदिर के सामने, इन्दौर मो

राहुल जनरल स्टोर्स
शॉप नं. 3 मालवा मिल चौराहा, इंदौर
मो. 9977732802

ऑन लाइन बिक्री और नियमों के विरोध में केमिस्ट उतरेंगे मैदान में

20 मई को राष्ट्रव्यापी बंद का ऐलान

■ धार। संभाग पोस्ट

दवा व्यापारियों ने अपनी मांगों को लेकर दिनांक 20 मई को राष्ट्रव्यापी बंद का ऐलान किया है । यह निर्णय ऑल इंडिया आर्गेनाइजेशन ऑफ़ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (ए आई ओ सी डी) के नैतृत्व में लिया गया है । इसमें थोक और फुटकर दवा व्यापारी स्वेच्छा से शामिल होंगे । जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ अशोक शास्त्री व सचिव आशीष बांगर का कहना है कि बिना नियंत्रण के तेजी से बढ़ रही ऑनलाइन दवा बिक्री उनके उनके व्यवसाय के लिए बड़ा खतरा बन गई है । साथ ही इससे मरीजों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं । उनका आरोप है कि बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियाँ भारी छूट देकर दवा बाजार पर कब्जा जमाने का प्रयास कर रही हैं ।जिससे छोटे व्यापारियों का अस्तित्व संकट में पड़ रहा हैं।

प्रमुख मांग - जिलाध्यक्ष डॉ. शास्त्री और सचिव बांगर ने भारत सरकार से मांग की है कि आनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियंत्रण लगाने, अवैध प्लेटफॉर्मों पर रोक लगाने और केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए कुछ नियमों (जैसे टास्क 818 और 220) को वापस लेने की मांग की है । उनका कहना है कि इन नियमों के चलते व्यापारियों को कई व्यावहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा हैं । जिला केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अशोक शास्त्री ने कहा है कि जिले के सभी केमिस्ट साथी (होलसेल और खेरची) दिनांक 20 मई को अपने अपने प्रतिष्ठान बंद रख कर इस राष्ट्रव्यापी महा बंद को सफल बनाएं । उन्होंने कहा कि यह आंदोलन दवा व्यापार की सुरक्षा और पारदर्शिता के लिए जरूरी है । इस लिए सभी से एकजुट होकर समर्थन देने की अपील की। एसोसिएशन के संरक्षक सर्वश्री उमेश सोनी , दीपक शर्मा, उपाध्यक्ष श्री अमृत पाटीदार (पिथमपुर), अशोक अग्रवाल, संजय जैन , सुरेश मूंदड़ा,(धामनोद) , सुशील अग्रवाल (खलघाट), विनीत खत्री, पारस जैन , अनिल पाटीदार, ज्ञानेंद्र जैन (सरदारपुर - राजगढ़), के. सी. मुकाती, दिनेश भावसार (कुक्षी), लखन पाटीदार (मनावर), कपिल नाहर (बदनावर), मुकेश गहलोत (डेहरी), सत्यनारायण पटेल (बागड़ी) , हेमंत पाटीदार, (गंधवानी), गिरिराज राठौड़ (धरमपुरी), लक्ष्मीनारायण पाटीदार (डही), गोविंद महाजन (अमझेरा), जगदीश पाटीदार (निसारपुर), रामेश्वर (क़ालिबावडी), मुश्ताक अली (नागदा), आदि ने आमजन से इस बंद के दौरान सहयोग की अपील की है । इन्होंने स्पष्ट किया है कि आपातकालीन सेवाएँ और सरकारी अस्पतालों में आवश्यक दवाएं उपलब्ध रहेगी । संगठन ने स्पष्ट किया है कि यह बंद केवल विरोध का प्रतीक नहीं है, बल्कि दवा व्यापार में पारदर्शिता , सुरक्षा और छोटे व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए उठाया गया महत्वपूर्ण क़दम है । अब देखना होगा कि सरकार इस पर क्या रूख अपनाती हैं और व्यापारियों की माँगो पर क्या निर्णय लिया जाता हैं । उक्त जानकारी पी आर ओ - ऋषभ जैन ने दी ।

नशे में झूमते हुए नगर निगम का ट्रैक्टर चला रहा था ड्राइवर

पुलिस ने रोका तो सड़क पर ही सो गया

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के सबसे व्यस्ततम नवलखा चौराहे पर शुक्रवार को एक गंभीर घटनाक्रम सामने आया। यहां पर एक ट्रैक्टर चालक बेहद नशे की हालत में वाहन चलाते हुए पहुंचा। वह ट्रैक्टर को सड़क पर लहराते हुए अग्रसेन चौराहे की तरफ से आ रहा था। ड्यूटी पर तैनात एएसआई अनिल चौहान और उनकी टीम ने जैसे ही ट्रैक्टर की अनियंत्रित गति देखी, उन्होंने तुरंत मोर्चा संभाला और वाहन को बीच रास्ते में ही रुकवाया।

चालक और साथियों की स्थिति देख पुलिस दंग

पुलिस ने जब ट्रैक्टर रुकवाया तो नजारा हैरान करने वाला था। चालक इतनी अधिक शराब पिए हुए था कि वह सीट पर ठीक से बैठने की स्थिति में भी नहीं था। उसके साथ ट्रैक्टर पर सवार अन्य दो लोग भी पूरी तरह नशे में डूबे हुए थे। पुलिस ने जब ड्राइवर को नीचे उतारा, तो वह सड़क के डिवाइडर पर ही लेट गया। ट्रैफिक पुलिस की तत्परता ने एक बड़े संभावित हादसे को टाल दिया, अन्यथा भीड़भाड़ वाले इलाके में कोई भी अनहोनी हो सकती थी।

नगर निगम की नेमप्लेट की जांच कर रही पुलिस

जांच के दौरान ट्रैक्टर के अगले हिस्से पर एक प्लेट लगी पाई गई जिस पर इंदौर नगर निगम के जोन 12 के कार्य हेतु तैनात होने का जिक्र था। इस जानकारी ने मामले को और गंभीर बना दिया है। पुलिस अब इस बात की तस्दीक कर रही है कि क्या यह वाहन वास्तव में नगर निगम में अनुबंधित है। यदि यह वाहन सरकारी कार्य में संलग्न पाया जाता है, तो यह विभाग की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े करता है। फिलहाल ट्रैक्टर और चालक को भंवरकुआं पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

पहले भी हो चुके हैं हादसे

इससे पहले इंदौर के एयरपोर्ट रोड पर नशे में धुत एक चालक ने भीड़ में ट्रक दौड़ा दिया था जिसमें कई लोगों की जान चली गई थी। ट्रैफिक पुलिस का चेकिंग अभियान भी इन दिनों नशेड़ियों को लगातार पकड़ रहा है।

क्रेसेंट वॉटर पार्क में छेड़छाड़ पर बवाल

दो पक्षों में जमकर मारपीट, अफरा-तफरी का VIDEO वायरल

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

शहर के क्रेसेंट वॉटर पार्क में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक लड़की से कथित छेड़छाड़ को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। मामूली कहासुनी देखते ही देखते विवाद में बदल गई और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट शुरू हो गई। घटना के दौरान पार्क परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, युवती से अभद्रता को लेकर हुए विवाद के बाद दोनों पक्षों के युवक भिड़ गए। इस दौरान लात-घूंसे चले और मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। पार्क में मौजूद परिवार और बच्चे भी घबराकर इधर-उधर भागते नजर आए।

घटना का वीडियो वहां मौजूद लोगों ने मोबाइल में कैद कर लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में युवक एक-दूसरे पर हमला करते और हंगामा करते दिखाई दे रहे हैं।

सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया। बताया जा रहा है कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और वायरल वीडियो के आधार पर शामिल युवकों की पहचान की जा रही है।

घटना के बाद वॉटर पार्क की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

इंदौर पुलिस की 'सुपरफास्ट सर्विस'

57 मिनट में न्याय का फरमान और आधी रात को नोटिस का 'अलार्म'!

अवैध गतिविधियों की शिकायत करना पड़ा भारी

शिकायतकर्ता को 'टारगेट' करने में जुटी खाकी?

अवैध गतिविधि की सूचना देने वाले को व्हाट्सएप पर नोटिस और 57 मिनट के भीतर पेश होने का तुगलकी फरमान। रात 12:08 बजे कॉल कर मानसिक दबाव बनाना। जिस अधिकारी के खिलाफ शिकायत, वही कर रहा है जाँच।

पब्लिक इसीलिए कहती है– 'कौन पड़े पुलिस के फचड़े में?'

इंदौर। इंदौर पुलिस की 'स्मार्ट पुलिसिंग' यहाँ नियम है कि अगर आप अपराध की सूचना देंगे, तो अपराधी को ढूंढने के बजाय पुलिस आपको ढूंढना शुरू कर देगी। सूचना देने वाले व्यक्ति को ही आरोपी बनाने की धमकी देना इंदौर पुलिस की नई 'प्रोटोकॉल' बन गई है। ताजा शिकार बने, शिकायतकर्ता ने शायद यह सोचकर गलती कर दी कि देश विरोधी कार्य और माफिया के खिलाफ आवाज उठाकर वे देश की सेवा कर रहे हैं। उन्हें क्या पता था कि मामला अपराधियों को पकड़ने का हो तो पुलिस 'कछुआ चाल' चलती है, लेकिन यदि मामला किसी शिकायतकर्ता को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का हो, तो पुलिस 'बुलेट ट्रेन' की रफ्तार पकड़ लेती है। उन्हें नहीं पता था की इंदौर पुलिस उन्हें ही प्रताड़ित करने में जुट जायेगी !

पुलिस की कार्यप्रणाली में 'टाइम मैनेजमेंट' का एक अद्भुत उदाहरण देखने को मिला। दिनांक 21/04/2026 को राऊ पुलिस ने आधुनिकता का परिचय देते हुए व्हाट्सएप पर नोटिस भेजा। यानी शिकायतकर्ता को तैयार होकर, अपना काम छोड़कर, इंदौर की ट्रैफिक व्यवस्था को चीरते हुए एसीपी कार्यालय पहुँचने के लिए मात्र 57 मिनट दिए गए। यह न केवल अव्यावहारिक है, बल्कि शिकायतकर्ता को जानबूझकर 'अनुपस्थित' घोषित करने की एक सोची-समझी चाल प्रतीत होती है। हद तो तब हो गई जब 10 मई की रात 12:08 बजे हीरानगर थाने के प्रधान आरक्षक ब्रजेश चोरे का फोन आता है। जिस तरह अपराधियों को पकड़ने के लिए रात में दबिश दी जाती है, वैसी ही सक्रियता अवैध गतिविधि की सूचना देने वाले के खिलाफ दिखाई जा रही है। क्या दिन के घंटे नोटिस देने के लिए कम पड़ गए थे जो आधी रात का चुनाव किया गया? यह नोटिस की तामीली थी या यह बताने की कोशिश कि 'तुम हमारी नजर में हो, चैन से सो नहीं पाओगे?'

SPECIAL REPORT

नवीन गलकर

शिकायतकर्ता ने जिस एसीपी निधि सक्सेना और थाना राऊ की भूमिका पर सवाल उठाए, विभाग ने जाँच भी उन्हीं को सौंप दी। यह 'प्राकृतिक न्याय' के सिद्धांतों की सरेआम धज्जियां उड़ाना है। एसीपी मैडम ने तो उलटा डराया 'की तुम्हारे खिलाफ भी जाँच हो सकती है।' तथ्यों और सबूतों के साथ अवैध गतिविधि की सूचना देने वाले व्यक्ति को ही आरोपी बनाने की धमकी देना इंदौर पुलिस की नई 'प्रोटोकॉल' बन गई है।

अगर भ्रष्टाचार की सूचना देने वाले को मानसिक रूप से प्रताड़ित और आरोपी बनाने की धमकी दी जाएगी, तो आम जनता का पुलिस से विश्वास पूरी तरह उठ जाएगा। डीजीपी महोदय को तत्काल हस्तक्षेप कर इस 'पुलिसिया तानाशाही' पर लगाम लगानी चाहिए।

संभाग पोस्ट ने अपने 24 मार्च के अंक में प्रमुखता से उठाया था मामला

कार्यालय पताः 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),
स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः नवीन गलकर, मो. 9009919948